संपादकीय

आतंक पर बड़ी जीत

आखिर बुधवार को आतंकवादी संगठन जैश-ए-मोहम्मद के सरगना और पुलवामा हमले के मास्टरमाइंड मसूद अजहर को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने ग्लोबल टेररिस्ट्स की अपनी सूची में शामिल कर लिया। निश्चित रूप से यह भारतीय कूटनीति की बहुत बड़ी जीत है। पुलवामा हमले के ठीक बाद मार्च में की गई यह पहल पिछले अनेक प्रयासों की तरह चीन के वीटो की वजह से नाकाम हो गई थी। मगर भारत ने उसके बाद भी कोशिशें जारी रखीं। आतंकवाद पर अंकुश लगाने के इन प्रय ों में अमेरिका, फ्रांस, ब्रिटेन समेत कई देशों का खुला साथ मिला। परदे के पीछे चली तेज कूटनीतिक गतिविधियों से चीन को अंदाजा हो गया कि पाकिस्तान से दोस्ती निभाने के नाम पर आतंकवाद को संरक्षण देने वाली महाशक्ति की छवि बनना उसके लिए अच्छा नहीं होगा। उसकी जो भी शंकाएं थीं उन्हें दूर करने में भी बाकी देशों ने सि य भूमिका निभाई। नतीजा यह रहा कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के मंच पर मसूद अजहर का बचाव करने या इस मसले को टालते जाने वाला कोई नहीं रह गया। याद करें तो मुंबई हमले की साजिश रचने के मुख्य आरोपी हाफिज सईद का नाम वैश्विक आतंकियों की इस सूची में पहले से ही शामिल है। 26 नवंबर 2008 को मुंबई पर हुए आतंकी हमले के तुरंत बाद 10 दिसंबर 2008 को उसे इस सूची में डाल दिया गया था। दोनों मामलों में एक बड़ा फर्क यह है कि हाफिज का कश्मीर से लेना-देना नहीं था, जबकि मसूद अजहर इस लिस्ट में डाला जाने वाला वह पहला आतंकी है, जिसकी पहचान जम्मू-कश्मीर की आतंकी गतिविधियों से जुड़ी है। इससे यह साबित होता है कि दुनिया भारत की राय को तवज्जो देते हुए कश्मीर मसले को आतंकवाद से जुड़ी समस्या के रूप में देखने लगी है। मामले का दूसरा पहलू यह है कि अमेरिका का हाथ अपने सिर से हटने के बाद पाकिस्तान ने अगर चीन के बल पर दक्षिण एशिया में अपनी हरकतें जारी रखने का मन बना रखा था तो उसकी यह योजना अजहर मसूद के साथ ही रसातल में जा चुकी है। आज की तारीख में भारत का सबसे बड़ा बिजनेस पार्टनर चीन है। ऐसे में भारतीय हितों की ज्यादा समय तक अनदेखी करने का जोखिम वह नहीं ले सकता।

रहा सवाल अजहर का नाम इस सूची में डाले जाने के फायदे का, तो आतंकवाद जैसी जटिल समस्या ऐसे एक-दो कदमों से हल होने वाली नहीं है। 11 वर्षों से ग्लोबल आतंकी घोषित हाफिज सईद आज भी पाकिस्तानी राजनीति का एक खास नाम है। लेकिन यह तो है कि ये दोनों पाकिस्तानी आतंकी अब संयुक्त राष्ट्र के सदस्य देशों की यात्रा नहीं कर सकते। उनके बैंक खातों से बेधड़क लेन-देन भी अब नहीं हो सकता। उनपर तेज नजर रखना सरकारी मशीनरी के लिए लाजमी है। कुल मिलाकर देखें तो भारत में लाखों रुपये का आरडीएक्स भेजना उनके लिए पहले जितना आसान नहीं होगा। भारतीय उपमहाद्वीप में शांति की कामना करने वालों के लिए यह भी बड़ी बात है।

अब सिर्फ 1 रुपए में खरीद सकते है सोना!

नई दिल्ली (आरएनएस)। अक्षय तृतीया पर सोना खरीदना शुभ माना जाता है। लोग यह भी मानते हैं कि इससे संपन्नता आती है। आज के समय में कई लोग पैसे की कमी के कारण सोना नहीं खरीद पाते। लेकिन एक रुपये में सोना खरीदने की स्कीम में लोगों की दिलचस्पी बढ़ रही है। ऑनलाइन कंपनियां इस स्कीम के जरिए ग्राहकों को खासकर युवाओं को आकर्षित कर रही हैं। इससे ऐसे वक्त सोने की मांग बढ़ाने में मदद मिली है, जब कई कारणों से इसकी बिक्री में सुस्ती के संकेत हैं। आइए इस स्कीम की खास बातें जानते हैं।

1 रुपये में खरीदें सोना

ई वॉलेट पेटीएम ने पेटीएम गोल्ड सर्विस भी शुरू की है। इस प्लेटफॉर्म से आप महज 1 रुपए में भी सोना खरीद सकते हैं। यहां आप 1 रुपए से लेकर डेढ़ लाख रुपये तक एक बार में सोना खरीद सकते हैं। कंपनी का दावा है कि इस प्लेटफॉर्म पर बिकने वाला

सोना 24 कैरेट 999.9 शुद्धता वाला है। यहां आपकी तरफ से खरीदे गए सोने को एक सुरक्षित लॉकर में रखा जाता है। आप जब चाहें इस सोने की होम डिलीवरी ले सकते हैं।

ऐसे खरीदें गोल्ड

पेटीएम गोल्ड से सोना खरीदने के लिए आपको पेटीएम ऐप पर गोल्ड ऑप्शन पर क्लिक करना होगा। यहां आप सोना खरीद सकते हैं। आपका सोना एमएटीसी-पीएमपी के लॉकर में सुरक्षित रहेगा। खरीदने के साथ ही आप यहां सोना बेच भी सकते हैं।

जेट एयरवेज से छिन जाएगा विदेशी उड़ान का अधिकार?

नई दिल्ली(आरएनएस)। जेट एयरवेज का दोबारा संचालन न शुरू होने की स्थिति में सरकार इसके फॉरेन फ्लाइंग राइट्स अन्य एयरलाइन्स में बांटने जा रही है। एविएशन मिनिस्ट्री के एक अधिकारी ने कहा, जिन एयरलान्स ने आवेदन किया है हम उनको अधिकार देने पर विचार कर रहे हैं। ज्यादा मांग सिंगापुर, थाइलैंड और मध्य एशिया के लिए है।

इस कदम से जेट के लिए बोली लगाने वालों को चिंता हो सकती है। अधिकारी ने बताया इस बात को लेकर एयरलाइंस के साथ बैठक हुई है और आश्वासन दिया गया है कि जब जेट सक्षम

हो जाएगी तो ये रूट उसे वापस कर दिए जाएंगे।

अधिकारी ने कहा, हम जल्द से जल्द ये रूट दूसरी एयरलाइंस को दे देना चाहते थे लेकिन हम जेट का खरीदार निश्चित होने का इंतजार कर रहे थे। हमसे कहा गया कि अभी ये राइट दूसरे को न दिए जाएं। कर्मचारियों और बैंकों ने सरकार से मांग की कि जेट एयरवेज के राइट तबतक दूसरों को न दिए जाएं जबतक खरीदार निश्चित नहीं हो जाता।

एक दिन की स्थिरता के बाद फिर बढ़े पेट्रोल, डीजल के दाम

मुंबई (आरएनएस)। एक दिन की स्थिरता के बाद शनिवार को फिर पेट्रोल और डीजल के दाम बढ़ गए। पेट्रोल दिल्ली में छह पैसे, कोलकाता और मुंबई में सात पैसे और चेन्नई में आठ पैसे प्रति लीटर महंगा हो गया है। वहीं, डीजल के दाम में दिल्ली में पांच पैसे, कोलकाता में छह पैसे जबकि मुंबई और चेन्नई में नौ पैसे प्रति लीटर की बढ़ोतरी की गई है। इंडियन ऑयल की वेबसाइट के अनुसार, दिल्ली, कोलकाता, मुंबई और चेन्नई में पेट्रोल के दाम बढकर क्रमशः 73.1 रुपये, 75.15 रुपये, 78.71 रुपये और 75.92 रुपये प्रति लीटर हो गए हैं। चारों महानगरों में डीजल के दाम भी बढ़कर क्रमशः 66.71 रुपये, 68.45 रुपये, 69.86 रुपये और 70.48 रुपये प्रति लीटर हो गए हैं।

नियमों के उल्लंघन पर आरबीआई ने वोडाफोन एम-पैसा और फोनपे पर लगाया जुर्माना

नई दिल्ली (आरएनएस)। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने शुक्रवार को पांच प्रीपेड पेमेंट इंस्ट्रूमेंट इंश्यूर्स पर जुर्माना लगाया है। जिन इश्यूर्स पर नियमों के उल्लंघन के लिए आरबीआई ने यह जुर्माना लगाया है उनमें वोडाफोन एम-पैसा और फोनपे शामिल हैं। इसके अलावा वेस्टर्न यूनियन फाइनेंशियल सर्विसेस और मनीग्राम पेमेंट सिस्टम्स पर भी गाइडलाइंस का पालन नहीं करने पर जुर्माना लगाया गया है, जो अमेरिकी कंपनी हैं।

केंद्रीय बैंक ने एक बयान में कहा, सेक्शन-30 के पेमेंट ऐंड सेटलमेंट सिस्टम्स ऐक्ट, 2007 के नियमों के तहत, रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने पांच पीपीआई इंश्यूर्स पर दिशा-निर्देशों को न लागू करने के लिए मौद्रिक पेनल्टी लगाई है। वोडाफोन एम-पैसा पर 3.05 करोड़ रुपये और मोबाइल पेमेंट्स फोनपे, प्राइवेट और जीआई टेक्नॉलजी पर 1 करोड़ रुपये का जुर्माना लगा है। इसके अलावा वाई-केश सॉफ्टवेयर सॉल्यूशन पर 5 लाख रुपए की पेनल्टी लगी है। एक दूसरे बयान में आरबीआई ने कहा कि नियमों के उल्लंघन के लिए वेस्टर्न यूनियन फाइनैंशल सर्विसेज इंक, यूएसए पर 29,66,959 रुपये और मनीग्राम पेमेट सिस्टम्स इंक यूएसए पर 10,11,653 रुपये का जुर्माना लगाया गया है। आरबीआई ने पेमेंट और सेटलमेंट सिस्टम्स ऐक्ट, 2007 के प्रावधानों के तहत उल्लंघन करने के लिए वेस्टर्न यूनियन और मनीग्राम पर जुर्माना लगाया है।

भारतीय निवेशकों का सबसे पसंदीदा शहर लंदन

नईदिल्ली (आरएनएस)। भारतीय निवेशकों के लिए ब्रिटेन की राजधानी लंदन सबसे पसंदीदा निवेश स्थल बनकर उभरा है। पिछले साल लंदन में भारतीय कंपनियों का निवेश सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया है। एक नए विश्लेषण में यह जानकारी सामने आई है। लंदन के मेयर की प्रचार एजेंसी लंदन ऐंड पार्टनर्स ने शुक्रवार को यहां जारी नए विश्लेषण में कहा कि 2018 में भारतीय प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) आकर्षित करने के मामले में ब्रिटेन शीर्ष पर है।

ब्रिटेन को सर्वाधिक 52 भारतीय एफडीआई मिले हैं। इसके बाद 51 परियोजनाओं के साथ अमेरिका और 32 परियोजनाओं के साथ संयुक्त अरब अमीरात का स्थान है। विश्लेषण में कहा गया कि लंदन में निवेश के लिए भारतीय कंपनियों ने 2018 में 32 परियोजनाओं की पेशकश की है जिससे शहर में भारतीय निवेश सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया है।

विश्लेषण के अनुसार, 'लंदन में भारतीय एफडीआई 2017 की तुलना में 2018 में 255 प्रतिशत बढ़ा है। ब्रिटेन में भारतीय निवेश 2017 की तुलना में 2018 में 100 प्रतिशत से अधिक बढ़ा है। वर्ष 2018 में ब्रिटेन में आये कुल भारतीय निवेश में लंदन की 60 प्रतिशत से अधिक हिस्सेदारी रही है।' लंदन ऐंड पार्टनर्स की मुख्य कार्यकारी अधिकारी लॉरा सिट्रन ने कहा, 'हम इस बात से उत्साहित हैं कि रेकार्ड संख्या में भारतीय कंपनियों ने लंदन को अपने अंतरराष्ट्रीय विस्तार के केंद्र के रूप में चुना है। हम अपने शहर में और भी महत्वाकांक्षी कंपनियों का स्वागत करने के लिये तैयार हैं।'

देशभर में 30 अप्रैल तक 321.19 लाख टन चीनी का उत्पादन हुआ

नई दिल्ली (आरएनएस)। देश में चीनी का उत्पादन पिछले साल के मुकाबले इस साल तीन फीसदी बढ़ गया है, जबकि 100 चीनी मिलों में उत्पादन अब तक जारी है। निजी चीनी मिलों का शीर्ष संगठन इंडियन शुगर मिल्स एसोसिएशन(इस्मा) द्वारा शुक्रवार को जारी उत्पादन के आंकड़ों के अनुसार, देशभर की चीनी मिलों में चालू गन्ना पेराई सीजन 2018-19 के सात महीने में 321.19 लाख टन चीनी का उत्पादन हुआ है। चीनी का उत्पादन व विपणन सीजन एक अक्टूबर से आरंभ होकर 30 सितंबर तक चलता है। पिछले सीजन में 30 अप्रैल तक चीनी का उत्पादन 311.83 लाख टन हुआ था। इस प्रकार पिछले साल की समान अवधि के मुकाबले इस साल अब तक चीनी के उत्पादन में 9.36 लाख टन यानी तीन फीसदी का इजाफा हो चुका है। इस्मा की रिपोर्ट के मुताबकि पिछले साल 30 अप्रैल तक जहां 110 चीनी मिलें चालू थीं वहां इस साल सिर्फ 100 मिलें चालू हैं। हालांकि चीनी मिल संगठन का अनुमान है कि इस साल चीनी का उत्पादन 330 लाख टन रह सकता है जो पिछले साल से पांच लाख टन ज्यादा है।उत्तर प्रदेश में इस साल सबसे ज्यादा 112.65 लाख टन चीनी का उत्पादन हुआ है। वहीं महाराष्ट्र में 107 लाख टन चीनी का उत्पादन हो चुका है।

आज का राशिफल

मेषः- घरेलू जीवन को लेकर मन के भीतर उथल-पुथल रह सकती है। उत्तरार्ध में तनाव और बढ़ सकता है। गृहस्थ जीवन में परेशानियों का सामना करने की आशंका है।

वृषभः- खर्चे कम होने से आप मानसिक शांति का अनुभव करेंगे। हालांकि सितारे कहते हैं कि संतान पक्ष को लेकर कुछ चिंता हो सकती है।

मिथुनः- धार्मिक कार्यों के प्रति आपकी रुचि बढ़ेगी। साथ ही धन संचय के मामले में सफलता मिलेगी।

कर्कः- सितारे कहते हैं कि आज के दिन खान-पान का खास ख्याल रखें। अन्यथा आपका स्वास्थ्य बिगड़ सकता है। कर्मक्षेत्र में आज आपको सफलता मिलेगी।

सिंहः- आज का दिन आपके लिए काफी सुखद साबित होगा। आज थोड़े से ही प्रयास से आपको अपार सफलता मिलेगी।

कन्याः- आज आपको व्यवसाय में अधिक लाभ प्राप्त होगा। भौतिक सुखों में वृद्धि होगी और उत्साह से काम करने पर सफलता जरूर मिलेगी। माता पक्ष से सहयोग प्राप्त होगा।

तुलाः- आज आपको कुछ परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। लेकिन धैर्य बनाए रखें, अंततः- सफलता आपको ही मिलेगी।

वृश्चिकः- कार्इस कहते हैं कि आज के दिन कोई भी काम करते समय मन को शांत रखें। इससे आपको लाभ मिलेगा।

धनुः- घरेलू मामले में कुछ परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। माता के स्वास्थ्य में कमजोरी आ सकती है। परिवार में आपसी तालमेल एवं सौहार्द की कमी होगी।

मकरः- आज अधूरे कार्य पूरे करने का योग है। प्रयास करें आपको सफलता जरूर मिलेगी। गलत संगति और नशे की लत से दूर रहें।

कुंभः- आज आपके सामाजिक मान-सम्मान की वृद्धि होगी। कार्य व व्यापार में लाभ के अवसर रहेंगे। किसी अनुभवी व्यक्ति के साथ व्यावसायिक योग्यताओं को निखारने का अवसर प्राप्त होगा।

मीनः- व्यावसायिक गतिविधियों में व्यस्त रहेंगे। संतान पक्ष के वैवाहिक प्रयासों को सफलता मिलेगी।

गिल ने सामने आए मौके को दोनों हाथों से भुनाया : कार्तिक

मोहाली (आरएनएस)। कोलकाता नाइट राइडर्स टीम के कप्तान दिनेश कार्तिक का मानना है कि युवा बल्लेबाज शुभमन गिल ने अपने सामने आए मौके को दोनों हाथों से लपकते हुए अपनी टीम को किंग्स इलेवन पंजाब के खिलाफ एक शानदार जीत दिलाई। कोलकाता की टीम ने गिल के नाबाद 65 रनों की बदौलत जीत हासिल करते हुए इंडियन प्रीमियर लीग के मौजूदा सीजन के प्लेआफ में जाने की उम्मीदों को कायम रखा है।

गिल ने पारी की शुरुआत करते हुए 49 गेंदों पर 65 रन बनाए। उनकी पारी में दो छक्के और चार चौके शामिल रहे। मैच के बाद कार्तिक ने गिल की तारीफ में कहा, यह अच्छा हुआ कि हमने गिल को सुनील नरेन के स्थान पर पारी शुरू करने का मौका दिया। इस युवा खिलाड़ी ने इसकी अहमियत समझी और अपने सामने आए मौके को दोनों हाथों से लपका।

कार्तिक ने आगे कहा कि वह फील्डिंग के दौरान अपने गेंदबाजों और फील्डरों के प्रदर्शन से खुश नहीं थे और इसी कारण उन्हें गुस्सा आया था। पंजाब की बल्लेबाजी के दौरान गेंदबाजों और फील्डरों पर चिल्ला रहे दिनेश ने कहा, मेरे गेंदबाज और फील्डर जैसे खेल रहे थे, मैं उससे

खुश नहीं था। इसीलिए मैंने सोचा कि इन्हें यह बताया जाए कि मैं कैसा महसूस कर रहा हूं। यह कभी-कभी होता है। लोगों ने मुझे गुस्सा करते हुए नहीं देखा है।

शानदार रोजगार आंकड़ों के बीच अमेरिकी शेयर बाजार मजबूत

न्यूयॉर्क (आरएनएस)। उम्मीद से बेहतर रोजगार आंकड़ों के बीच अमेरिकी शेयर बाजार में शुक्रवार को मजबूती दर्ज की गई। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के मुताबिक, डॉव जोंस इंडस्ट्रियल एवरेज शुक्रवार को 197.16 अंकों यानी 0.75 फीसदी की मजबूती के साथ 26,504.95 पर रहा। एसएंडपी 500 सूचकांक 28.11 अंकों यानी 0.96 फीसदी की बढ़त के साथ 2,945.63 पर रहा। नैस्डैक कंपोजिट सूचकांक 127.22 अंकों यानी 1.58 फीसदी की मजबूती के साथ 8,164.00 पर रहा। पेशेवर और व्यापारिक सेवाओं, निर्माण, स्वास्थ्य देखभाल और सामाजिक सहायता के क्षेत्रों में रोजगार में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई। इसी बीच, अप्रैल में अमेरिका में बेरोजगारी की दर 0.2 फीसदी की गिरावट के साथ 3.6 फीसदी दर्ज की गई, जो दिसंबर 1969 के बाद से सबसे कम दर है।

अरबी के पत्ते की सब्जी बनाने की विधि ...

सामग्री :

बेसन-250 ग्राम, तेल- 250 ग्राम, नमक-स्वादानुसार, हल्दी-1 टीस्पून, लाल मिर्च-1 टीस्पून, धनिया-3 टीस्पून, काली मिर्च पाउडर-1/3 टीस्पून, अमचूर-2 चम्मच, अरबी के पत्ते-10, लहसुन-प्याज-अदरक का पेस्ट-3 टीस्पून

विधि :

एक बाउल में बेसन, सभी पीसे मसाले डालकर गाढ़ा बैटर बना लें. अब अरबी के पत्तों की डंडी काट दें. पत्तों को उलटे तरफ से फैलाकर उस पर बेसन का बैटर अच्छे से चारों तरफ लगा दें फिर उसके ऊपर दूसरा पत्ता रखें और इसपर भी बैटर लगा दें. इसी तरह और चार पत्तों को एक के ऊपर एक रखकर बैटर लगा दें.फिर इसे रोल कर लें. अब इसे चार से पांच मिनट तक भाप में पका लें. जब यह ठंडा हो जाए तो गोल काट लें. अब इसे गोल्डन ब्राउन होने तक डीप फ्राई कर लें.

ग्रेवी बनाने के लिए

कढ़ाई में तेल गर्म करें और उसमें लहसुन-प्याज-अदरक का पेस्ट डालकर भून लें. अब इसमें पानी डालकर चार मिनट तक उबल लें. फिर इसमें फ्राई किए पकौड़ों को डालकर दो उबाल आने तक पका लें. सर्विंग बाउल में निकालें और सर्व करें.

शब्द सामर्थ्य-54

बाएं से दाएं

1. व्यर्थ, अकारण, बेवजह (उर्दू) 4. साथ में, सहित 5. वर्षा, बारिश, बरखा 8. कथा, किस्सा 9. चिड़चिड़ा, बदमिजाज 11. प्रलय, आफत, हलचल 12. लाख ढकने का कपड़ा 13. पिता, क्लर्क, सम्मानित व्यक्ति 14. वायु, पवन 16. निवास करना, उपस्थित होना, ठहरना 18. जिसे लात खाने की आदत हो गई हो 19. सेवक, दास, चाकर 21. भ्राता 22. मेघ, जलद, नीरद।

ऊपर से नीचे

1. विशेष, विशिष्ट 2. सुगंध, खुशबू 3. आदमी, मनुष्य, मानव 5. अपेक्षाकृत, अपेक्षया 6. कष्ट, दर्द, दिक्कत 7. पठन, पढ़ने का काम, शिक्षा 10. किस्मत, नसीब, भाग्यवान 12. एक पक्षी जो पुराने समय में संदेश वाहक का काम करता था 13. बाल, बच्चा, लड़का, छोकरा 17. वायु संबंधी, हवा में रहने, उड़ने या होने वाला, बिलकुल काल्पनिक और निर्मूल 19. नाव, कश्ती 20. वर्ष, बरस, एक इमारती वृक्ष।

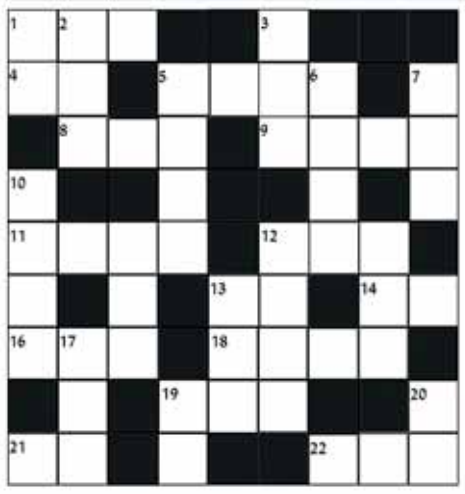

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 53 का हल

पं	क्ति	■	स्वा	द	■	स	ब	ब
जा	■	सु	हा	ना	■	■	ली	द
ब	हु	धा	■	द	ल	ना	■	ल
■	■	क	मा	न	■	ग	ह	ना
भं	व	र	■	■	■	वा	म	■
गी	त	■	म	ज	बू	र	■	ट
■	न	म	स्का	र	■	■	■	र
■	■	र्या	■	■	बी	■	ना	का
सं	वि	दा	■	ब	स	च	ल	ना

सू-दोकू-54

	6	3		8		1		4
8			3		4		7	
	4			5		8		
3		8			1		4	
	1			4		9		7
		4			2		1	
1				3		4		8
	8		2		9		3	
		9		1		2		5

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र. 53 का हल

6	7	9	2	4	5	3	1	8
2	1	8	3	7	6	9	5	4
7	6	4	5	2	8	1	3	9
3	8	1	6	9	7	2	4	5
9	2	5	4	1	3	8	6	7
8	3	7	9	6	4	5	2	1
5	4	2	8	3	1	7	9	6
1	9	6	7	5	2	4	8	3
4	5	3	1	8	9	6	7	2